Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	10th February 2022

NBT
नवभारत टाइम्स

कोरोना का संक्रमण कम हुआ तो पहली से 9वीं तक की क्लास भी आज से शुरू, अभिभावकों ने ली राहत की सांस, बोले-

घर पर नहीं पढ़ रहे थे बच्चे, स्कूल खोलना था जरूरी

■ एनबीटी न्यूज, गुड़गांव : दसवीं से बारहवीं के बाद अब पहली से नौवीं तक के स्कूल गुरुवार से खुल रहे हैं। कम होती संक्रमण की दर को देखते हुए धीरे-धीरे स्कूल खोले जा रहे। स्कूल खुलने के बाद अभिभावकों ने राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि घर में बच्चों की पढ़ाई कम हो पा रही है। नौकरी पेशा माता-पिता को ऑनलाइन सत्र में बच्चों की निगरानी करना कठिन हो रहा था। पैरंट्स ने कहा कि स्कूल खुलने से सब को राहत मिलेगी।

10वीं से 12वीं के छात्रों की उपस्थिति भी संस्थानों में ठीकठाक देखी जा रही है। पहली से 9वीं स्कूल खुलने के आदेश के बाद कितनी क्षमता के साथ स्कूल खुलेंगे, इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन बच्चों पर कक्षाओं में आने का कोई भी दबाव नहीं डाला जाएगा। हालांकि ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प भी जारी रहेगा। स्कूलों में गाइडलाइंस का पालन किया जाएगा।

प्राइमरी विंग के छात्रों को अभी नहीं बुलाएंगे

सेक्टर-15 स्थित सालवान स्कूल की प्रिंसिपल रश्मि मलिक बताया कि प्राइमरी विंग के बच्चों को आगामी कुछ दिनों में बुलाया जाएगा। अभी केवल सीनियर

अभी कितनी क्षमता के साथ स्कूल खुलेंगे, इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ

छात्रों की कक्षाएं ही लगेंगी। रिज वैली स्कूल की प्रिंसिपल निधि तिवारी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सीनियर कक्षाओं के लिए निर्धारित समय में 40 फीसदी स्कूल तो फिर से खोले गए, लेकिन प्राथमिक स्तर की कक्षाओं को नहीं खोला गया।

बच्चों के व्यवहार पर भी पड़ा है असर

सेक्टर 4/7 सरकारी स्कूल की प्रिंसिपल सुमन शर्मा बताया, गुरुवार स्कूल खोलने की तैयारी है। छात्रों और अभिभावकों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। अभी दसवीं से बारहवीं की कक्षाएं लग रही हैं। जिसमें छात्रों का रुझान काफी अधिक है। समर फील्ड्स स्कूल की हेड सौम्या तनेजा बताया कि छात्रों के लिए स्कूलों को फिर से खोलना आवश्यक है। वे अब लगभग दो साल से स्कूल से दूर हैं और इसने कहीं न कहीं उनके व्यवहार के पैटर्न और उनके मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया है। इस दौरान सभी नियमों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

2 साल में बच्चों की पढ़ाई का काफी नुकसान हुआ

पालम विहार में रहने वाली शालू ने बताया कि बच्चे घर पर बेहतर ढंग से नहीं पढ़ पाते हैं। उन्हें स्कूल भेजना जरूरी है, जब कोरोना के मामले थम रहे हैं तो बच्चों को स्कूल भेजने में कोई आपत्ति भी नहीं है। सेक्टर-10 में रहने वाले अभिभावक पवन ने बताया कि पिछले 2 वर्षों में बच्चों का काफी नुकसान हुआ है।

टैबलेट देने का वादा भूले, कैसे होगी तैयारी

■ साक्षी रावत, गुड़गांव : मार्च और अप्रैल में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा है, लेकिन अभी तक छात्रों को टैबलेट नहीं दिए गए हैं। बीते 2 वर्षों से केवल घोषणा ही की जा रही है। टैबलेट के नाम पर कभी पायलट प्रोजेक्ट तो कभी टेंडर की प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया जाता है। इस वर्ष भी निदेशालय ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गुड़गांव जिले को सूची में शामिल किया, लेकिन प्रदूषण के कारण दिसंबर में स्कूलों की छुट्टियों के चलते यह वापस लौटा दिया गया। इसका सबसे अधिक फायदा 8वीं कक्षा के छात्रों को मिलता। क्योंकि इन बच्चों के पास न तो शिक्षा निदेशालय द्वारा इस बार किताबें पहुंचाई गई, न ही ऑफलाइन कक्षाएं अभी तक ठीक से लग पाई हैं।

> ऑनलाइन शिक्षा से जोड़ने के लिए मिलने थे, फिर कोरोना के कारण नहीं मिल पाए

प्रदेश के 5 लाख छात्रों को टैब देने का वादा

सरकार 22 जिलों के 5 लाख बच्चों को टैब देने की घोषणा कर चुकी है। 2020-21 के सेशन में भी निदेशालय द्वारा टैब देने की बात कही गई थी। जिलों से छात्र संख्या भी मंगवाई गई, लेकिन पिछले सत्र भी यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई और वर्तमान सत्र भी अब समाप्त होने वाला है। आठवीं से दसवीं के छात्रों को 8 इंच का और 11वीं और 12वीं के छात्रों को 10 इंच का टैबलेट दिए जाने की बात कही गई थी।

शहर के 5 सीनियर सेकेंडरी स्कूल चुने गए थे

■ टैबलेट बांटने से पहले पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले 5 जिलों का चयन हुआ था। जहां पर 24 दिनों तक मॉनिटरिंग होने के आधार पर किसी एक वेंडर को स्कूलों में टैबलेट देने को चुना जाना था। इस पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गुड़गांव के 5 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का चयन हुआ था। जिसमें सेक्टर 4/7 गवर्नमेंट सीनियर सेकेंड्री स्कूल, मानेसर गवर्नमेंट स्कूल, भोंडसी गवर्नमेंट स्कूल, दौलताबाद गवर्नमेंट स्कूल और कासन गवर्नमेंट स्कूल शामिल थे। सेक्टर 4/7 सरकारी स्कूल की प्रिंसिपल सुमन शर्मा ने बताया कि इस पॉजेक्ट को लेकर उनके स्कूल का चयन किया गया था। जिसमें 30 बच्चों और 3 टीचर को यह टेबलेट दिए जाने थे, लेकिन वह प्रक्रिया भी पूरी नहीं हो पाई, अभी आगे की भी उनके पास कोई जानकारी नहीं है।

> पीएचसी प्रभारी ने कहा इन परिस्थितियों में काम करना मुश्किल

परीक्षा के बाद टैब लौटाना भी था

गुड़गांव में 8वीं कक्षा में 25 हजार छात्र-छात्राएं, नौवीं और दसवीं कक्षा में 23338, 11वीं और 12वीं कक्षा में 12270 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। यह टैब छात्रों को पुस्तकालय की किताबों की तरह जारी किए जाने की बात कही गई थी। जिन्हें छात्र 10वीं और 12वीं की परीक्षा के बाद वापस लौटाना भी था।

> सरकारी स्कूलों के छात्रों को टैबलेट दिए जाने को लेकर छात्रों की सूची मांगी गई थी इसके आगे की प्रक्रिया निदेशालय द्वारा ही तय होगी। जिले में कई संस्थाओं ने अपने स्तर पर चुनिंदा सरकारी स्कूल के छात्रों को टैबलेट मुहैया करवाए हैं। - *इंदू बोकन, जिला शिक्षा अधिकारी*

Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	10th February 2022

पंजाब केसरी

ऑनलाइन कक्षाओं से थके छात्र

आज से खुलेंगे पहली से 9वीं तक के निजी व सरकारी स्कूल

गुड़गांव, 9 फरवरी (ब्यूरो): लंबे समय से घर में बैठकर ऑन लाइन कक्षाएं ले रहे छात्र अब थक चुके है। इस बात की वकालत न केवल छात्रों के अभिभावक बल्कि स्कूल के प्राचार्य भी कर रहे हैं। प्रदेश के शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर द्वारा 10 फरवरी को पहली कक्षा से 9वीं तक के निजी व सरकारी स्कूल खोल दिए जाएंगे।

प्रतिभा का असर भविष्य पर

उन्होंने बताया कई सर्वेक्षणों व रिपोर्टों से पता चलता है कि बीते 2 साल के सीखने के नुकसान का परिणाम कई वर्षों की आजीविका में देखा जाएगा। छात्र ऑनलाइन कक्षाओं से पूरी तरह से थक चुके हैं। इसलिए माता-पिता विशेष रूप से कामकाजी माता पिता जिन्हें काम पर जाना पड़ता है। उन्हें ऑनलाइन सत्रों के दौरान बच्चों की निगरानी करने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे बताया साथियों के साथ बातचीत, विचार-विमर्श व चर्चा के माध्यम से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

अभिभावक परेशान

शिक्षक व अभिभावको ने कहा स्कूल खुलना बेहद जरूरी

वही शहर के कई बच्चों के अभिभावकों ने बताया लंबे अंतराल से सीखने की क्रिया में एक बड़ी खाई पैदा हो जाती है। सभी शैक्षणिक नुकसान के साथ हमें अपने बच्चों के भावनात्मक विकास को भी देखने की जरूरत है। जहां तक भारत का संबंध है।

हम अन्य पश्चिमी देशों की तुलना में सबसे पहले स्कूल बंद करते हैं। जबकि सबसे आखिरी में स्कूल खोलते हैं। अधिकतर लोगों की राय है कि हमें बायो बबल में स्कूल खोलना चाहिए। नही तो वह दिन दूर नही जब हमारे पास अशिक्षित बच्चों की पीढ़ी होगी जो 21वीं सदी के कौशल से कोसों दूर होगा।

स्कूल संचालकों ने कर ली है पूरी व्यवस्था

गुड़गांव, 9 फरवरी (अ): प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग के आदेशानुसार आज वीरवार से प्रदेश के सभी पहली से 9वीं तक के राजकीय व निजी स्कूलों को खोलने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। यानि कि अब छात्र ऑनलाईन की बजाय ऑफ लाईन शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

हालांकि ऑनलाईन का विकल्प फिर भी जारी रहेगा। जिले के शिक्षा अधिकारियों ने भी स्कूलों के मुखियाओं को सरकारी आदेशों से अवगत करा दिया है। स्कूल के मुखियाओं ने भी सरकारी आदेशों का पालन करते हुए व कोरोना महामारी से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों के तहत छात्रों को स्कूल बुलाने की व्यवस्था भी की है। सैक्टर 4 स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमनलता शर्मा का कहना है कि शिक्षा विभाग से आदेश प्राप्त हुए हैं, उनका पालन करते हुए छात्रों को कक्षाओं में प्रवेश दिया जाएगा।

स्कूल खोलना स्वागत योग्य कदम, बोले स्कूल शिक्षक

स्कूल खोले जाने के बारे में जानकारी देते हुए रिज वैली स्कूल की प्रिंसिपल निधि तिवारी ने बताया स्कूल खोलना एक अत्यंत आवश्यक व स्वागत योग्य कदम है। पिछले 2 वर्षों में सीनियर कक्षाओं के लिए निर्धारित समय में 40 फीसदी स्कूल तो फिर से खोले गए। लेकिन प्राथमिक स्तर की कक्षाओं को नहीं खोला गया। वही समर फील्डस जूनियर स्कूल की हेड सौम्या तनेजा ने बताया इस समय छात्रों के स्कूल खोलना बेहद आवश्यक है। वे अब लगभग 2 साल से स्कूल से दूर है। जिससे इसने कहीं न कहीं उनके व्यवहार के पैटर्न व मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया है। हम सभी कोविड-19 उपयुक्त व्यवहारों व बनाये गई

निधि तिवारी
प्राचार्य